# Om Jai Shiv Omkara Aarti Lyrics in Hindi English

### Om Jai Shiv Omkara Aarti Lyrics in Hindi

ॐ जय शिव ओंकारा,
स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,
अर्द्धांगी धारा ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

एकानन चतुरानन
पंचानन राजे ।
हंसासन गरूड़ासन
वृषवाहन साजे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

दो भुज चार चतुर्भुज
दसभुज अति सोहे ।
त्रिगुण रूप निरखते
त्रिभुवन जन मोहे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

अक्षमाला वनमाला,
मुण्डमाला धारी ।
चंदन मृगमद सोहै,
भाले शशिधारी ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

श्वेताम्बर पीताम्बर
बाघम्बर अंगे ।
सनकादिक गरुणादिक
भूतादिक संगे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

कर के मध्य कमंडल
चक्र त्रिशूलधारी ।
सुखकारी दुखहारी
जगपालन कारी ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

ब्रह्मा विष्णु सदाशिव
जानत अविवेका ।
प्रणवाक्षर में शोभित
ये तीनों एका ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

त्रिगुणस्वामी जी की आरति

जो कोइ नर गावे ।
कहत शिवानंद स्वामी
सुख संपति पावे ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

—- Addition —-
लक्ष्मी व सावित्री
पार्वती संगा ।
पार्वती अर्द्धांगी,
शिवलहरी गंगा ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

पर्वत सोहैं पार्वती,
शंकर कैलासा ।
भांग धतूर का भोजन,
भस्मी में वासा ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

जटा में गंग बहत है,
गल मुण्डन माला ।
शेष नाग लिपटावत,
ओढ़त मृगछाला ॥
जय शिव ओंकारा… ॥

काशी में विराजे विश्वनाथ,
नंदी ब्रह्मचारी ।
नित उठ दर्शन पावत,
महिमा अति भारी ॥
ॐ जय शिव ओंकारा… ॥

ॐ जय शिव ओंकारा,
स्वामी जय शिव ओंकारा।
ब्रह्मा, विष्णु, सदाशिव,
अर्द्धांगी धारा ॥

## Om Jai Shiv Omkara Aarti Lyrics in English

Om Jai Shiv Omkara,
Swami Jai Shiv Omkara.
Brahma, Vishnu, Sadashiv,
Ardhangi Dhara.
Om Jai Shiv Omkara…

Ekanan Chaturanan,
Panchanan Raaje.
Hansasan Garudasan,
Vrishvahan Saaje.
Om Jai Shiv Omkara…

Do Bhuj Chaar Chaturbhuj,
Dashbhuj Ati Sohe.

Trigun Roop Nirakhte,
Tribhuvan Jan Mohe.
Om Jai Shiv Omkara…

Akshmala Vanmala,
Mundmala Dhaari.
Chandan Mrigmad Sohai,
Bhale Shashidhari.
Om Jai Shiv Omkara…

Shwetambar Peetambar,
Baghambar Ange.
Sanakadik Garunadik,
Bhootadik Sange.
Om Jai Shiv Omkara…

Kar Ke Madhya Kamandal,
Chakra Trishuldhaari.
Sukhkaari Dukhhaari,
Jagpaalan Kaari.
Om Jai Shiv Omkara…

Brahma Vishnu Sadashiv,
Jaat Aviveka.
Pranavakshar Mein Shobhith,
Ye Teenon Ekaa.
Om Jai Shiv Omkara…

Trigun Swami Ji Ki Aarti,
Jo Koi Nar Gaave.
Kahat Shivanand Swami,
Sukh Sampatti Paave.
Om Jai Shiv Omkara…

Lakshmi Va Savitri,
Parvati Sanga.
Parvati Ardhangi,
Shivalahari Ganga.
Om Jai Shiv Omkara…

Parvat Sohain Parvati,
Shankar Kailasa.
Bhaang Datura Ka Bhojan,
Bhasmi Mein Vaasa.
Om Jai Shiv Omkara…

Jata Mein Gang Bahat Hai,
Gal Mundan Maala.
Shesh Naag Lipatavat,
Odhat Mrigchhala.
Om Jai Shiv Omkara…

Kashi Mein Viraje Vishwanath,
Nandi Brahmachari.
Nit Uth Darshan Paavat,
Mahima Ati Bhaari.
Om Jai Shiv Omkara…

Om Jai Shiv Omkara,
Swami Jai Shiv Omkara.
Brahma, Vishnu, Sadashiv,
Ardhangi Dhara.

## About Om Jai Shiv Omkara Aarti in English

“Om Jai Shiv Omkara Aarti” is a powerful devotional hymn dedicated to Lord Shiva, one of the principal deities in Hinduism, symbolizing the divine trinity of creation, preservation, and destruction. The aarti praises Lord Shiva’s cosmic role and his various divine forms, including his association with Brahma and Vishnu, representing the perfect balance of the universe.

The song begins with the invocation of Lord Shiva, calling him “Omkara,” the sound of the universe, and “Sadashiva,” the eternal god. It describes his awe-inspiring appearance, with four arms, each holding a weapon, and his divine adornments such as the crescent moon, the serpent around his neck, and his matted hair that holds the sacred Ganga.

The aarti highlights Shiva’s powerful and benevolent nature, emphasizing his ability to grant peace, destroy evil, and bring blessings to his devotees. It praises his serene yet fierce qualities, his vehicle (the bull Nandi), and his spiritual significance as the god of ascetics, meditators, and devotees. The hymn also acknowledges the divine energy that flows through him, symbolized by the sacred river Ganga and the powerful Trishul.

By singing this aarti, devotees seek Lord Shiva’s blessings for spiritual growth, material prosperity, and liberation from life’s challenges, invoking his divine presence and cosmic protection.

## About Om Jai Shiv Omkara Aarti in Hindi

“ॐ जय शिव ओंकारा आरती” भगवान शिव को समर्पित एक अत्यंत प्रभावशाली भक्ति गीत है। यह आरती भगवान शिव के दिव्य रूप और उनके ब्रह्मा, विष्णु, और सदाशिव के रूप में त्रिदेव के महत्त्व को व्यक्त करती है। शिवजी को ओंकार, यानी साकार ब्रह्मा के रूप में पूजा जाता है, जो संसार के सृजन, पालन और संहार का कार्य करते हैं।

आरती में भगवान शिव के विभिन्न रूपों का वर्णन किया गया है, जैसे उनकी चार भुजाएं, उनके सिर पर चंद्रमा, उनके गले में सर्प और उनके मस्तक पर गंगा की धारा का बहना। शिवजी के वाहन नंदी और उनके साथ रहने वाले संतों और देवताओं का भी उल्लेख है। यह गीत भगवान शिव की अडिग शक्ति, करुणा और संतुष्टि देने वाले रूपों का बखान करता है।

इस आरती के माध्यम से भक्त भगवान शिव से आशीर्वाद की प्रार्थना करते हैं, ताकि उनके जीवन से सभी कष्ट दूर हो सकें और उन्हें शांति, समृद्धि और सुख की प्राप्ति हो। भगवान शिव की भक्ति करने से सभी संकटों का नाश होता है और जीवन में स्थिरता और संतुलन आता है। यह आरती शिवजी की महिमा और उनके अद्वितीय रूपों को समर्पित है।